लेखपाल संघ–जिन्दाबाद

संघ शक्ति सर्वदा

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ

पंजी० संख्या : 75 – 4/II-A/359, 14 नवम्बर 1962

प्रधान कार्यालय : आलमबाग (सुजानपुरा, ओमनगर), पुराना बस स्टेशन के सामने, लखनऊ

E-mail: lekhpal.up@gmail.com

Web: www.lekhpal.wordpress.com

राम मूरत यादव
प्रदेश अध्यक्ष
: +91-9456225600
पत्राचार : मो. शिव दयाल कम्पाउंड, निकट आई.टी.सी., महारनपुर-247001 (उ.प्र.)

ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव
प्रदेश महामंत्री
: +91-9415281875
पत्राचार : कृष्णा नगर, देवरिया खास, निकट गीता भवन, हनुमान मंदिर, देवरिया (उ.प्र.)

दिनांक: 30.08.2016

● **उपाध्यक्ष गण**

दीपक त्यागी
(पश्चिमी जोन)
-9536500281

राजेन्द्र सिंह कछवाह
(मध्य जोन)
-9450223683

रामपूजन राम
(पूर्वी जोन)
-9451510484

● **कोषाध्यक्ष**

विनोद कुमार कश्यप
-8923920103

● **संगठन मंत्री गण**

सुदेश कुमार
(पश्चिमी जोन)
-9758547258

मनोज त्रिपाठी
(मध्य जोन)
-9415434880

विनोद यादव
(पूर्वी जोन)
-9415678593

● **लेखापरीक्षक**

भूपेन्द्र सिंह
-9198895639

पत्रांक: [illegible]/.43

सेवा में,
मा0 मुख्य सचिव महोदय
उ0 प्र0 शासन, लखनऊ

विषयः–दिनॉक 31.08.16 से उ0 प्र0 लेखपाल संघ के आन्दोलन के आगामी कार्यकम विषयक।

महोदय,

सादर निवेदन करना है कि लेखपाल संवर्ग, सरकार की विभिन्न नीतियों, योजनाओं व कार्यकमों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुॅचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने पदीय दायित्वों के अतिरिक्त विभिन्न विभागों के कार्यों में सहयोग करता है। शासन/प्रशासन के विभिन्न अधिकारियों के निर्देशों का पालन अनुशासित सेवक की भांति करते हुए अपने पदीय/शासकीय/सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करता है तथा जनता की समस्याओं का निस्तारण कराता है। उ0 प्र0 लेखपाल संघ द्वारा 16 मार्च 2016 को 6 सूत्रीय मॉगपत्र महोदय की सेवा में प्रस्तुत किया था तथा समस्याओं को निस्तारित कराने की मॉग की गई थीं। मा0 राजस्व परिषद द्वारा मॉगों का परीक्षण एवं वार्ता करने के बाद सहमति व्यक्त करते हुए लेखपाल संवर्ग की ए0 सी0 पी0 विसंगति को दूर करने व लेखपाल संवर्ग के प्रशासनिक महत्व को दृष्टिगत रखते हुए प्रारम्भिक वेतनमान 5200–20200 ग्रेड पे 2800 करने सहित समस्त 6 मॉगों के सम्बन्ध में प्रस्ताव संस्तुति सहित दिनॉक 16 जून 2016 को मा0 प्रमुख सचिव (राजस्व) को भेजे जा चुके हैं। मा0 प्रमुख सचिव (राजस्व) द्वारा संवर्ग की मांगों का औचित्य स्वीकार किया गया था, जिसके अनुरूप पत्रावलियॉं सहमति उपरान्त वित्त विभाग एवं कार्मिक विभाग के सम्बन्धित अनुभागों में अग्रिम कार्यवाही हेतु भेजी जा चुकी हैं।

महोदय, उ0 प्र0 लेखपाल संघ 31337 लेखपालों की पंजीकृत संस्था है। संस्था का सदैव मत रहा है कि अपनी न्यायोचित मांगों को तथ्यात्मक तर्कों के साथ शान्तिपूर्ण तरीके से शासन/परिषद के सम्मुख प्रस्तुत करते हुये अपने कर्तव्यों को लगातार निभाते रहें। संस्था द्वारा लम्बे समय से इसी नीति पर कार्य करते हुए शासन के विभिन्न पटलों पर वार्ता व पत्राचार द्वारा अपनी न्यायोचित मांगों को निस्तारित कराने का प्रयास किया गया है, परन्तु मा0 राजस्व परिषद के संस्तुति सहित प्रस्तावों एवं मा0 प्रमुख सचिव (राजस्व) महोदय की सहमति एवं आवश्यक कार्यवाही के पश्चात भी अभी तक शासन स्तर से शासनादेश/नियमावली संशोधन निर्गत नहीं किये गये हैं, जिससे संवर्ग में आक्रोश व्याप्त है।

महोदय, उ0 प्र0 शासन द्वारा विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगतियों, वेतन उच्चीकरण व अन्य मांगों का निस्तारण किया गया है, परन्तु शासन द्वारा लेखपाल संवर्ग की औचित्यपूर्ण मांगों के सम्बन्ध में शासनादेश/नियमावली संशोधन निर्गत न होने के कारण लेखपाल संवर्ग स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहा है। उ0 प्र0 लेखपाल संघ की प्रान्तीय कार्यकारिणी की बैठक दिनॉक 03 व 04 जुलाई 2016 में लिये गये निर्णय के अनुपालन में महोदय को दिनॉक 05.07.2016 को नोटिस देकर दिनॉक 14.07.2016 तक लेखपाल सम्वर्ग की निम्नलिखित मॉगों के सम्बन्ध में शासनादेश निर्गत किये जाने का अनुरोध किया गया था। उक्त तिथि तक कोई शासनादेश निर्गत न होने के कारण दिनॉक 15.07.2016

को प्रदेश की समस्त तहसीलों में लेखपालों के द्वारा उपजिलाधिकारियों के माध्यम से मा0 राजस्व मंत्री महोदय को संवर्ग की मॉगों के सम्बन्ध में शासनादेश निर्गत कराने की मांग करते हुए ज्ञापन प्रेषित किये थे। दिनॉक 05.07.2016 को महोदय को तथा दिनॉक 15.07.2016 को सभी तहसीलों से ज्ञापन प्रेषित कर मा0 राजस्व मंत्री महोदय को संस्था द्वारा सादर अवगत कराया गया था कि यदि दिनॉक 15.08.2016 तक संवर्ग की मॉगों के सम्बन्ध में शासनादेश/नियमावली संशोधन निर्गत नहीं होते हैं तो संवर्ग आन्दोलन करने को बाध्य होगा। संस्था ने पूरा प्रयास किया कि बिना आन्दोलन व जनता के कार्य बाधित किये, अपनी समस्याओं का समाधान करा सके, परन्तु सरकार/शासन संवर्ग की मांगों के प्रति उदासीन रहा है। अतः उक्त नोटिस व ज्ञापन के कम में विवश होकर दिनॉक 16.08.2016 को एक दिवसीय कार्य बहिष्कार करते हुए पुनः मा0 राजस्व मंत्री महोदय को ज्ञापन उपजिलाधिकारियों के माध्यम से भेजा गया। दिनॉक 17 अगस्त 2016 से 22 अगस्त 2016 तक शासन एवं सरकार का ध्यानाकर्षण कराने हेतु प्रदेश के समस्त लेखपालों द्वारा काली पटटी बांधकर शासकीय कार्य का सम्पादन किया गया, किन्तु संस्था की मॉगों के सम्बन्ध में कोई शासनादेश निर्गत न होने के कारण दिनॉक 05 जुलाई 2016 के नोटिस में महोदय को दिये आन्दोलन के कार्यक्रमानुसार संवर्ग दिनॉक 23 अगस्त से 29 अगस्त तक पूर्ण कार्य बहिष्कार कर जनपद मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन करने के लिए विवश हुआ तथा आज दिनॉक 30 अगस्त 2016 को प्रदेश के समस्त लेखपालों के द्वारा विधान सभा का घेराव किया गया।

महोदय, संस्था द्वारा अपनी मॉगें शासन/ परिषद के विभिन्न पटलों पर तर्कपूर्ण तरीके से रखी गई तथा परिषद व शासन द्वारा संवर्ग की मांगों को औचित्यपूर्ण मानते हुए संस्तुति सहित प्रस्ताव अग्रिम कार्यवाही हेतु वित्त एवं कार्मिक आदि विभागों को प्रेषित किये गये किन्तु अभी तक मांगों के सम्बन्ध में शासनादेश/ नियमावली संशोधन आदेश निर्गत न होने के कारण संवर्ग में आकोश व्याप्त है। संस्था द्वारा मांगों के निस्तारण के लिए पर्याप्त समय शासन को दिया गया है तथा दिनॉक 05.07.2016 का नोटिस देने के पश्चात शासन स्तर से संस्था से कोई वार्ता भी नहीं की गई, संवर्ग की मांगों के सम्बन्ध में इस उपेक्षा से संवर्ग में भारी रोष है। संस्था द्वारा दिनॉक 24 जुलाई 2016 को मा0 मुख्यमंत्री महोदय को तथा दिनॉक 27 जुलाई 2016 को मा0 राजस्व मंत्री महोदय को संवर्ग की मांगों के सम्बन्ध में वार्ता हेतु समय देने के लिए पत्र प्रेषित किये तथा बार बार ज्ञापन प्रेषित किये परन्तु संवर्ग की समस्याओं का संज्ञान नहीं लिया गया जिससे संवर्ग उपेक्षित महसूस कर रहा है। दिनॉक 23 अगस्त 2016 से पूर्ण कार्य बहिष्कार कर जनपद मुख्यालयों पर लेखपालों के द्वारा धरना प्रदर्शन करने के उपरान्त मा0 राजस्व परिषद द्वारा समस्त जिलाधिकारियों को संवर्ग के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं तथा कुछ जनपदों में लेखपालों के विरूद्ध उत्पीडनात्मक कार्यवाही प्रारम्भ की गई हैं जो दुर्भाग्यपूर्ण है। 26 अगस्त 2016 को दोपहर 1:00 बजे मा0 आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद, लखनऊ द्वारा संस्था शिष्टमंडल से वार्ता की गई किन्तु संवर्ग की मांगों के सम्बन्ध में शासनादेश निर्गत कराने में असमर्थता व्यक्त करने के कारण वार्ता निष्फल रही। मा0 परिषद से वार्ता की विफलता के उपरान्त उसी दिन सायं 4:00 बजे मा0 मुख्य सचिव (राजस्व) की अध्यक्षता में शासन व परिषद के अधिकारियों के साथ संस्था शिष्टमंडल की वार्ता हुई परन्तु संवर्ग की सभी मांगों से सहमति व्यक्त करने के उपरान्त भी कोई भी शासनादेश निर्गत कराने में असमर्थता व्यक्त करने के कारण वार्ता विफल रही।

महोदय, संवर्ग की मांगे न्यायपूर्ण हैं तथा मा0 परिषद व शासन स्तर पर औचित्यपूर्ण मानते हुए संस्तुति सहित प्रस्ताव प्रेषित किये गये है। संस्था द्वारा मांगों को पूर्ण कराने के लिए पर्याप्त समय दिया गया है। 45 दिन का नोटिस महोदय की सेवा में प्रेषित किया था तथा उसके बाद भी एक सप्ताह तक सांकेतिक आन्दोलन कर शासन/सरकार का ध्यानाकर्षण करने का प्रयास किया गया परन्तु शासन द्वारा संवर्ग की मांगों के सम्बन्ध में शासनादेश/नियमावली संशोधन निर्गत नहीं किये जा रहें हैं तथा संस्था के संवर्ग हित में किये जा रहे आन्दोलन में सहभागिता कर रहे सदस्यों पर उत्पीडनात्मक कार्यवाही कर अपने तानाशाही रवैये का प्रदर्शन किया जा

रहा है। कल 29 अगस्त 2016 को आज 30 अगस्त को विधान सभा के घेराव के लिए जनपदों से आ रहे लेखपालों की बसों को रास्ते में रोक कर पुलिस/प्रशासन द्वारा संस्था के आन्दोलन को बाधित करने का प्रयास किया गया तथा आज दिनॉक 30 अगस्त 2016 को संस्था द्वारा महोदय को पूर्व सूचित विधान सभा घेराव के कार्यक्रम में प्रदेश के लेखपालों के द्वारा शान्तीपूर्ण तरीके से प्रदर्शन किया जा रहा था परन्तु पुलिस द्वारा लेखपालों पर अत्याचार करते हुए लाठीचार्ज किया गया, जिससे सैकडो लेखपाल घायल हुये। शासन की यह कार्यवाही अलोकतान्त्रिक व तानाशाहीपूर्ण है। शासन की इस कार्यवाही से संवर्ग बहुत आक्रोशित है। आज दोपहर 2 बजे उ0प्र0 लेखपाल संघ के शिष्ट मण्डल को वार्ता का निमत्रंण मिला। शिष्ट मण्डल की वार्ता शासन द्वारा संवर्गो की वेतन व वेतन विसंगतियों के निस्तारण हेतु गठित कमेटी के अध्यक्ष श्री प्रदीप भटनागर के साथ वार्ता हुयी, जिसमें उनके साथ मा0 प्रमुख सचिव(राजस्व) व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वार्ता में उपस्थित मा0 प्रमुख सचिव(राजस्व) श्री अरविन्द कुमार द्वारा यह स्वीकार किया गया कि लेखपाल संवर्ग की मांगो के सम्बन्ध में प्राप्त राजस्व परिषद के प्रस्तावों से सहमति व्यक्त करते हुये वित्त विभाग को भेजे जा चुके है। इस पर समिति के अध्यक्ष श्री प्रदीप भटनागर, मा0 ए0पी0सी0, उ0प्र0 शासन द्वारा प्रतिनिधि मण्डल को अवगत कराया गया कि इस सम्बन्ध में वित्त विभाग के साथ एक बार पुनः बैठक शीघ्र करायी जायेगी। संस्था शिष्ट मण्डल द्वारा अपनी मांगो के सम्बन्ध में शासनसदेश निर्गत करने की मांग की जिस पर बैठक में कोई निर्णय न होने के कारण वार्ता निष्फल रही। संस्था द्वारा पूर्व से चलाया जा रहे कार्य बहिष्कार एवं जनपद मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन करते हुये ज्ञापन देने सम्बन्धी आन्दोलन शासनादेश निर्गत होने तक अनवरत जारी रखने का निर्णय लिया गया।

संस्था की मांगें

1– लेखपाल संवर्ग में उत्पन्न ए0सी0पी0 विसंगति दूर की जाये।

2– लेखपाल संवर्ग का पदनाम राजस्व उपनिरीक्षक एवं भौक्षिक योग्यता स्नातक करते हुये प्रारम्भिक वेतनमान 5200–20200 ग्रेड पे 2800 किया जाये।

3– लेखपाल संवर्ग का कॉडर पूर्ववत् जनपद स्तरीय करते हुये, स्थानान्तरण नीति में संशोधन किया जाये।

4– पाँच लेखपालों पर एक राजस्व निरीक्षक (क्षेत्र) एवं राजस्व परिषद के पत्र दिनांक 04 अप्रैल 2016 के अनुसार राजस्व निरीक्षक (कार्यालय) के 626 पदों का सृजन किया जाये और राजस्व निरीक्षक प्रोन्नति एवं नायब तहसीलदार प्रोन्नति हेतु राजस्व परिशद के प्रस्ताव के अनुसार नियमवाली में संशोधन किया जाये।

5– ई–डिस्ट्रिक्ट , आई0जी0आर0एस0 आदि शासन की विभिन्न योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन के लिये लेखपालों को लेपटॉप तत्काल उपलब्ध कराया जाये।

6– एक अप्रैल 2005 से पूर्व चयनित लेखपालों को पुरानी पेंशन व्यवस्था का लाभ दिया जाये तथा 01 अप्रैल 2005 के बाद नियुक्त लेखपालों की नई पेंशन योजना में सुधार करते हुये आकस्मिक निकासी और सेवानिवृति/मृत्यु पर सुनिश्चित पेन्शन की सुविधा प्रदान की जाये।

आन्दोलन का कार्यक्रम

1. 31 अगस्त 2016 से 6 सितम्बर 2016 तक कार्य दिवसों में प्रदेश के सभी जनपद मुख्यालयों पर कार्य दिवसों में प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 तक

जनपद के सभी लेखपाल पूर्ण कार्य बहिष्कार जारी रखते हुए धरना प्रदर्शन करेंगे तथा मा0 मुख्य मंत्री महोदय को ज्ञापन प्रेषित करेगें।

2. 05 सितम्बर 2016 दिन सोमवार को सायं 6:00 बजे सभी जनपदों में जिला अध्यक्ष/जिला सचिवों के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पर कैंडिल मार्च किया जायेगा।

3. दिनॉक 6 सितम्बर 2016 मंगलवार को सभी जनपदों में जिला अध्यक्ष/जिला सचिवों के नेतृत्व में लेखपालों के द्वारा धरना स्थल पर ही "बुद्धि शुद्धि यज्ञ" किया जायेगा।

महोदय से निवेदन है कि शीघ्र संवर्ग की 6 सूत्रीय मांगो के सम्बन्ध में शासनादेश निर्गत कराने का कष्ट करें। यदि दिनॉक 6 ~~अगस्त~~ सितम्बर 2016 तक भी संवर्ग की छः सूत्रीय मांगों के सम्बन्ध में शासनादेश/ नियमावली संशोधन निर्गत नहीं किये जाते हैं तो संस्था द्वारा आगामी आन्दोलन के कार्यक्रम के स्वरूप की घोषणा 6 ~~अगस्त~~ सितम्बर 2016 को घोषणा की जायेगी।

महोदय, यह भी सादर अवगत कराना है कि उ0 प्र0 लेखपाल संघ अपनी न्यायपूर्ण मांगों के सम्बन्ध में महोदय को पूर्व सूचना देकर अपने लोकतान्त्रिक अधिकार के साथ शान्तिपूर्वक आन्दोलन कर रहा है परन्तु शासन द्वारा मांगों का निस्तारण करने के बजाय लेखपालों पर जिलाधिकारियों के माध्यम से उत्पीडनात्मक कार्यवाही कर दबाव बनाकर तानाशाही का परिचय दिया जा रहा है। उ0 प्र0 लेखपाल संघ की प्रदेश सर्वोच्च समिति में निर्णय लिया गया है कि यदि आन्दोलन के मध्य शासन/परिषद द्वारा आन्दोलनकारी लेखपालों के विरूद्ध उत्पीडनात्मक कार्यवाही की जाती है तो संस्था प्रतिक्रिया स्वरूप तत्काल कोई भी कठोर निर्णय लेने के लिए बाध्य होगी।

न्याय की प्रत्याशा में।

भवदीय

(राम मूरत यादव)
प्रदेश अध्यक्ष

(ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव)
प्रदेश महामंत्री

प्रतिलिपिः— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु सादर प्रेषित —

1. माननीय मुख्य मंत्री महोदय, उ0 प्र0 सरकार, लखनऊ।
2. माननीय राजस्व मंत्री महोदय, उ0 प्र0 सरकार, लखनऊ।
3. माननीय अध्यक्ष महोदय, राजस्व परिषद, लखनऊ।
4. माननीय प्रमुख सचिव (राजस्व) महोदय, उ0 प्र0 शासन, लखनऊ।
5. माननीय प्रमुख सचिव (वित्त) महोदय, उ0 प्र0 शासन, लखनऊ।
6. माननीय प्रमुख सचिव (गृह) महोदय, उ0 प्र0 शासन, लखनऊ।
7. माननीय पुलिस महानिदेशक महोदय, उ0 प्र0, लखनऊ।
8. माननीय समस्त जिलाधिकारी महोदय, उ0 प्र0।
9. सम्मानित अध्यक्ष/सचिव/संयोजक, समस्त शाखायें/उपशाखायें, उ0 प्र0 लेखपाल संघ।
10. समाचार पत्रों में निःशुल्क प्रकाशन हेतु।

(ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव)
प्रदेश महामंत्री